श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- माण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ सा. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 25 * अंक : 15 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 1 नवम्बर 2019 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

गच्छाधिपतिश्री की शुभनिश्रा में मोक्ष माला परिधानोत्सव

उदयपुर, (स. सं),

परम पूज्य राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट युगप्रभावक आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति, धर्मदिवाकर श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभनिश्रा में श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ राजेन्द्र-यतीन्द्र-जयन्तसेन वाटिका, पिपलौदा (म. प्र.) की धर्मधरा पर भव्य चातुर्मासिक आयोजनों के अन्तर्गत उपधान तपाराधना की पूर्णाहूति पर मोक्ष माला परिधानोत्सव सानन्द सम्पन्न हुआ।

मोक्ष माला परिधानोत्सव में सर्वप्रथम गच्छाधिपतिश्री द्वारा आराधकों को समवसरण में विराजित प्रभु प्रतिमा के सन्मुख अक्षत, श्रीफल एवं मुद्रा रखकर मालरोपण की विधि सम्पन्न करवाई गई। साथ ही लाभार्थी श्री सुभाषचन्द्रजी मेघराजजी तलेसरा, सारंगी निवासी एवं श्री विजयजी डाँगी परिवार, धामनोद द्वारा उपधान तप के आराधकों को सूरिमन्त्र के वासक्षेप से अभिमन्त्रित अक्षतों से वधाया गया तथा लाभार्थी परिवार द्वारा सूरिमन्त्र से अभिमन्त्रित माला उपधान तप के आराधकों को पहनाई गई। जिसमें प्रथम माला सुदर्शना नाहर-राणापुर, द्वितीय माला कोकिलाबेन-सारंगी, तृतीय माला ज्योतिबेन बोडाणा-रतलाम, चतुर्थ माला सुनिताबेन रूनवाल-जावरा, पंचम माला अंकिताबेन-नामली के साथ ही प्रथम माल के सभी आराधकों को मोक्ष माला लाभार्थी परिवार द्वारा पहनाई गई।

मोक्ष माला परिधानोत्सव के अवसर पर मुनिराजश्री विद्वद्रत्नविजयजी ने कहा कि देव-गुरु-धर्म की आज्ञा को मानने वाले उपधान तप आराधकों ने तप-त्याग, आराधना-साधना कर अपने आपको धन्य बनाया है तथा अपने कर्मों को क्षय किया है। इस पंचमकाल में तप-आराधना करने वाले बहुत कम लोग होते हैं, लेकिन इस तप में छोटी से छोटी उम्र के बालक-बालिकाओं ने अपनी आहार संज्ञा पर विजय प्राप्त की है, साथ ही इस उपधान तप में गच्छाधिपतिश्री की विहार सेवा में सेवारत जैनेतर भाई विनोद परमार ने भी इस कठोर तपाराधना की क्रिया कर प्रथम मोक्ष माला का परिधान किया जो अनुमोदनीय है। विनोदभाई परमार को मोक्ष माला पहनाने का लाभ राकेशकुमार, मुकेश, रतनलाल जैन परिवार-इन्दौर ने लिया। आर. के. परिवार द्वारा सभी आराधकों को चातुर्मास 2019 का स्मृति चिह्न भेंट किया गया।

मुनिराजश्री सिद्धरत्नविजयजी म. सा., श्री प्रशमसेनविजयजी म. सा., श्री तारकरत्नविजयजी म. सा., श्री निर्भयरत्नविजयजी म. सा. एवं साध्वीश्री भाग्यकलाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा उपस्थित थे।

दादा गुरुदेव एवं पुण्य-सम्राट की आरती का लाभ श्री विजयजी तातेड़ परिवार-जावरा ने लिया। सभी लाभार्थियों का श्री पारसमलजी धींग परिवार-राकोदा, श्रीसंघ अध्यक्ष श्री बाबूलालजी धींग, चातुर्मास समिति अध्यक्ष श्री राकेशजी जैन-इन्दौर, वाटिका अध्यक्ष श्री शैलेन्द्रजी कटारिया ने किया।

गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में पाँच दिवसीय पंचाह्निका महोत्सव के समापन पर नगर के श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ धाम पर श्री पार्श्वनाथ पंचकल्याणक पूजा लाभार्थी चातुर्मास समिति द्वारा विधिविधान के साथ की गई। मधुकर ग्रुप नागदा द्वारा संगीत की सुरलहरियों के साथ भक्तिभाव से पूजा पढ़ाई गई।

माण्डवपुर तीर्थोद्धारक की निश्रा में साँचोर में गुरु मन्दिर प्रतिष्ठा

धानेरा, (स. सं),

प. पू. चर्चाचक्रवर्ती आचार्यदेव श्रीमद्विजय धनचन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. की पाटगादी स्थली धर्म नगरी धानेरा में प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर एवं कृपासिन्धु, योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा. के सुशिष्यरत्न माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, सूरिमन्त्राराधक, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभनिश्रा में चातुर्मासान्तर्गत प्रतिदिन विविध धार्मिक आयोजन गतिमान है।

कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की पावन प्रेरणा से साँचोर-सत्यपुर में नवनिर्मित श्री राजेन्द्रसूरीश्वर गुरु मन्दिर की शुभ प्रतिष्ठा मुहूर्त्त एवं निर्मल निश्रा प्रदान करने हेतु विनती करने के लिए शा. चन्दाजी अमीचन्दजी कटारिया संघवी परिवार साँचोर के लगभग 175 सदस्य मुम्बई से धानेरा पहुँचे।

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर आचार्यदेवेश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. को मुहूर्त्त प्रदान करने हेतु भाव भरी विनती की। आचार्यदेवेशश्री ने विनती को स्वीकार करते हुए माघ शुक्ला 14, शनिवार, दिनांक 8 फरवरी 2020 का शुभ मुहूर्त्त एवं निश्रा प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान की।

स्वीकृति प्राप्त करते ही पूरे सदन और साँचोर वासियों ने जयघोष से सम्पूर्ण वातावरण को गुँजायमान कर दिया तथा साथ ही नृत्य करते हुए अपनी प्रसन्नता को व्यक्त किया।

धानेरा नगर में आचार्यदेवेशश्री के दर्शन-वन्दन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु प्रतिदिन श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का आगमन हो रहा है। आचार्यदेवेशश्री प्रतिदिन धर्म के मर्म को अपनी मधुरी वाणी से समझाते हुए जिनवाणी का रसपान करा रहे हैं। आचार्यदेवेशश्री के दर्शन-वन्दन हेतु दाथाल श्रीसंघ, भीनमाल, इन्दौर, सायला आदि नगरों से गुरुभक्त भी पधारे।

वाली में नूतन निर्मित श्री सम्भवनाथ-राजेन्द्रसूरि जैन मन्दिर का सम्पूर्ण निर्माण लाभ- वाली-जोधावास हाल मुकाम- साँचोर निवासी शा. हिम्मतमलजी मुल्तानमलजी गाँधी मेहता परिवार को प्रदान करने की घोषणा भी की गई। स्मरण रहे कि श्री सम्भवनाथ-राजेन्द्रसूरि जैन मन्दिर की प्रतिष्ठा दिनांक 18-11-2019 को आचार्यदेवेशश्री की शुभ निश्रा में सम्पन्न होगी।

दीक्षा एवं प्रतिष्ठा मुहूर्त्त प्रदान

पिपलौदा (स. सं.),

पिपलौदा में चातुर्मासार्थ विराजित प. पू. धर्मदिवाकर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. के द्वारा मुमुक्षु चाँदनीबेन पिताश्री भगुभाई अहीर निवासी आदिपुर नगर, तालुका- गाँधीधाम को दीक्षा का मुहूर्त्त प्रदान किया गया । वर्तमान में चाँदनी नागदा में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री अमृतरसाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा- 2 के साथ है । चाँदनीबेन की दीक्षा 28 नवम्बर 2019 को अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की भूमि भामरा न ग र जिला अलीराजपुर (म. प्र.) में होगी । भामरा श्रीसंघ सचिव श्री वीरेन्द्रजी बोहरा ने भामरा नगर में दिनांक 24 से 29 नवम्बर 2019 तक आयोजित सभी कार्यक्रमों में पधारने हेतु विनती की ।

दिनांक 24 नवम्बर 2019 को पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री का जन्मोत्सव मनाया जावेगा तथा गच्छाधिपतिश्री एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द का भव्य मंगल प्रवेश होगा । गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में भामरा में पंचाह्निका महोत्सव के अन्तर्गत श्री सुविधिनाथ जिनालय एवं गुरु मन्दिर की प्रतिष्ठा का आयोजन भी होगा ।

मुमुक्षु बहिन चाँदनी का श्रीसंघ, महिला परिषद् एवं उपधान आराधक मण्डल की ओर से बहुमान किया गया । साथ ही गच्छाधिपतिश्री ने श्री शंखेश्वर दर्शन विहारधाम डीसा गुजरात में बने सहस्त्रफणा श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय की प्रतिष्ठा का शुभमुहूर्त्त दिनांक 13 फरवरी 2020 का प्रदान किया । मन्दिर के लाभार्थी श्रीमती रसीलाबेन बाबूलालजी मणीलालजी दोशी परिवार, बी. एम. शाह डीसा परिवार ने सामूहिक रूप से गच्छाधिपतिश्री आदि ठाणा के दर्शन-वन्दन कर मुहूर्त्त प्राप्त किया एवं सभी से प्रतिष्ठा में पधारने की विनती की ।

इस अवसर पर सभी लाभार्थियों एवं अतिथियों तथा मिडिया प्रभारी श्री ब्रजेशजी बोहरा का पिपलौदा श्रीसंघ की ओर से अध्यक्ष श्री बाबूलालजी धींग ने बहुमान किया ।

पिपलौदा में होगा परिषद् अधिवेशन

उदयपुर (स. सं.),

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् परिवार का दो दिवसीय संयुक्त राष्ट्रीय अधिवेशन दिनांक 9-10 नवम्बर 2019 को श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ धाम, पिपलौदा (म. प्र.) में पुण्य-सम्राट के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभनिश्रा में आयोजित होगा ।

संयुक्त अधिवेशन का प्रथम उद्घाटन सत्र दिनांक 9 नवम्बर 2019 को प्रातः 8.30 बजे प्रभातफेरी से होगा । इस दिन नवयुवक, महिला, बहू, बालिका परिषद् एवं तरुण परिषद् का संयुक्त अधिवेशन होगा एवं दिनांक 10 नवम्बर 2019 को केवल नवयुवक परिषद् का अधिवेशन तथा समापन होगा ।

अधिवेशन में देश के कोने-कोने में कार्यरत परिषद् शाखाओं के प्रतिनिधियों का आगमन होगा और सभी शाखाएँ अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी । श्रेष्ठ कार्यों के लिए शाखाओं को पुरस्कृत भी किया जायेगा । अधिवेशन में भविष्य के कार्यक्रमों की भी घोषणा की जाएगी । नवयुवक परिषद् की सभी शाखाओं का प्रथम दिन 9 नवम्बर 2019 को रात्रि 7 बजे से 10 बजे तक 'अपनों से अपनी बात' का कार्यक्रम भी आयोजित किया जायेगा ।

योगी-वाणी

'चापलूस' और 'आलोचक' में केवल इतना अन्तर है कि 'चापलूस' अच्छा बनकर बुरा करता है

और-

'आलोचक' बुरा बनकर अच्छा करता है ।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

खजांची परिवार द्वारा अंगदान मरणोपरान्त जिन्दगी रोशन की

उदयपुर (स. सं.),

इन्दौर शहर में आज 39 वीं बार ग्रीन कारिडोर बनाए गए । पहला ग्री कोरिडोर बाम्बे हॉस्पीटल से सीएचएल और दूसरा कारिडोर टी चोइथराम अस्पताल तक बनाया गया ।

मुस्कान ग्रुप के सेवादार श्री सन्दीपन आर्य ने बताया कि राजगढ़ (जिला- धार) निवासी 65 वर्षीय श्रीमती शिरोमणि मणिलालजी खजांची को बाम्बे हॉस्पीटल में दिनांक 21 अक्टूबर 2019 को ब्रेन हेमरेज के उपरान्त उपचार हेतु भर्ती किया गया था, उपचार के चलते ब्रेन स्टेम डेथ के लक्षण दिखे, जिसका विधान अनुसार प्रथम परीक्षण आज प्रातः 11.20 बजे तथा द्वितीय परीक्षण सायं 6.50 किया गया ।

मुस्कान ग्रुप ने मृतका के परिजनों से दूसरों को जिन्दगी देने के लिए अंगदान करने की काउन्सलिंग की जो सफल रही । परिजनों को अंगदान का महत्त्व बताने के बाद अपनी पत्नी के अंगदान की सहमति श्री मणिलालजी खजांची एवं परिजनों द्वारा दी गई । सहमति मिलने के बाद दो किडनी और लीवर डोनेट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई, जिसके तहत शहर के दो निजी अस्पतालों तक ग्रीन कारिडोर बनाया गया ।

दो किडनी वेटिंग लिस्ट में चल रहे जरूरतमन्द मरीजों को लगाई जाएगी । एक किडनी टी चोइथराम अस्पताल और एक किडनी सीएचएल हॉस्पीटल में प्रत्यारोपित की जाएगी । लीवर बाम्बे अस्पताल में ही ट्रान्सप्लान्ट किया जाएगा । इसी के चलते आज बाम्बे अस्पताल से लेकर सीएचएल और टी चोइथराम अस्पताल तक ग्रीन कारिडोर बनाए गए ।

जिनशासन की ऐसी विरल विभूति के श्रीचरणों में नमन । अपनों के लिए सब करते हैं परन्तु दूसरों की जिन्दगी रोशन करने वाली श्रीमती शिरोमणि खजांची ने सिर्फ खजांची परिवार का ही नाम नहीं अपितु सम्पूर्ण जैनसमाज का नाम गौरवान्वित करते हुए इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों में एक पृष्ठ सुनहरे अक्षरों में अंकित किया है । धन्य हैं वे और उनके परिजन ।

यतीन्द्र वाणी पाक्षिक परिवार खजांची परिवार की खूब-खूब अनुमोदना करता है तथा श्री अरिहन्तदेव एवं दादा गुरुदेव से अभ्यर्थना करता है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें और परिवार को दुःख सहन करने हेतु धैर्य और सम्बल प्रदान करें ।

यतीन्द्र वाणी सम्पादक ने किए दर्शन

उदयपुर (स. सं.),

गच्छाधिपति, धर्मदिवाकर श्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. ने दर्शनार्थ पधारे यतीन्द्र वाणी के स. सम्पादक एवं राष्ट्रीय कवि कुलदीप डाँगी प्रियदर्शी को अपना आत्मीय आशीर्वाद प्रदान किया । दर्शन-वन्दन के साथ ही गच्छाधिपतिश्री से चर्चा करते हुए प्रियदर्शी ने पिपलौदा में भव्य उपधान तपाराधना की जानकारी लेते हुए अन्य विषयों पर चर्चा की ।

गच्छाधिपतिश्री के दर्शन करने के पश्चात् प्रियदर्शी खाचरोद में विराजित आचार्यदेवश्री जयानन्दसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा के दर्शनार्थ पहुँचे । आचार्यश्री से साहित्यिक चर्चा कर आशीर्वाद प्राप्त किया । यहाँ से नागदा जाकर वहाँ विराजित सा. श्री अमृतरसाश्रीजी म. सा. के दर्शन किए । साध्वीश्री के आग्रह पर प्रियदर्शी ने काव्यपाठ भी किया ।

भरतपुर की पावन भूमि पर पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के मन्दिर का शिलान्यास सानन्द सम्पन्न हुआ ।

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें ।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

मुनिराजश्री की निश्रा में गुरु सप्तमी

उदयपुर (स. सं.),

प्रातःस्मरणीय, विश्वपूज्य दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. द्वारा रचित श्री अभिधान राजेन्द्र कोष की उद्गम स्थली एवं पुण्य-सम्राट राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की दीक्षा भूमि सियाणा नगर में गुरु सप्तमी पर्व दिनांक 31 दिसम्बर 2019 से 2 जनवरी 2020 तक त्रिदिवसीय महोत्सव पुण्य-सम्राट के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती वरिष्ठ मुनिराजश्री वीररत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में विविध आयोजनों के साथ मनाया जायेगा।

श्री सुविधि-राजेन्द्र सातम ग्रुप, सियाणा के सदस्यों के नेतृत्व में राजस्थान के जोधपुर में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिराजश्री वीररत्नविजयजी म. सा. के दर्शन-वन्दन कर गुरु सप्तमी पर्व पर सियाणा पधारने की विनती कर गुरु आज्ञा से स्वीकृति ली गई। साथ ही सातम ग्रुप ने सभी सियाणा वासियों को इस प्रसंग पर पधारने की आग्रह पूर्ण विनती भी की गई।

पाटण में साध्वीजी के पारणे में पधारे विभिन्न समुदायों के श्रमण-श्रमणिवृन्द

पाटण (स. सं.),

पाटण नगर के पंचासरा पार्श्वनाथ जैन मन्दिर के निकट स्थित त्रिस्तुतिक जैन उपाश्रय में प. पू. पुण्य-सम्राट के पट्टधरद्वय के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा की शुभ निश्रा में साध्वीश्री रूचिदर्शनाश्रीजी म. सा. का 500 आयम्बिल तप का पारणा सानन्द सम्पन्न हुआ।

पारणे के पूर्व तप अनुमोदनार्थ कार्यक्रम त्रिस्तुतिक जैन संघ पाटण की ओर से आयोजित किया गया, जिसमें जैन शासन के 10 समुदाय के श्रमण-श्रमणि भगवन्त पधारे। सभी श्रमण-श्रमणि भगवन्तों ने तपधर्म की महिमा का महत्त्व बताते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रवचन प्रदान किया।

प्रवचन के पश्चात् त्रिस्तुतिक जैन उपाश्रय में विश्वपूज्य दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. एवं पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की आरती की गई। इस अवसर पर सभी समुदाय के गुरुभक्त उपस्थित थे।

म्यूझियम में मनाई पुण्य तिथि

मोहनखेड़ा तीर्थ (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की 30 वीं मासिक पुण्य तिथि श्री मोहनखेड़ा तीर्थ स्थित श्री जयन्तसेन म्यूझियम में चातुर्मासार्थ विराजित पूज्या साध्वीश्री दर्शितकलाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की शुभनिश्रा में दिनांक 20 अक्टूबर 2019 को मनाई गई।

साध्वीजी की निश्रा में पुण्य-सप्तमी लाभार्थी परिवार

प्रातः दर्शन-वन्दन-पूजन के पश्चात् पुण्य प्रसादी में 130 व्यक्तियों द्वारा लाभ लिया गया। सभी को टेबल-कुर्सी पर बिठाकर प्रसाद ग्रहण करवाया गया। इसके पश्चात् श्री जयन्तसेनसूरि अष्टप्रकारी पूजन महिला मण्डल द्वारा संगीत की मधुर स्वरावलियों के साथ पढ़ाई गई। पुण्य-सप्तमी के उपलक्ष्य में विशेष अंगरचना की गई।

सम्पूर्ण कार्यक्रम का लाभ स्व. श्री मोतीलालजी हरण की स्मृति में धर्मपत्नी श्रीमती मगनबाई, पुत्र- श्री संजयजी, पुत्रवधू- श्रीमती नेहा, पौत्र-पौत्री- दृष्टि, प्रबल हरण परिवार राजगढ़ (म. प्र.) निवासी ने लिया।

आयोजन के निमन्त्रक श्री जयन्तसेनसूरि म्यूझियम ट्रस्ट मण्डल, श्री मोहनखेड़ा तीर्थ की ओर से पधारे हुए गुरुभक्तों एवं लाभार्थी परिवार का आभार व्यक्त किया गया।

नोट- 'यतीन्द्र वाणी' पाक्षिक प्राप्त करने के लिए आप अपना पूर्ण पता मय पिन कोड एवं मो. नं. के साथ निम्न चलभाष नम्बर पर वाटसप करें।

09426285604, 09413763991

श्री सुमतिनाथ जिनालय में त्रिदिवसीय महोत्सव सम्पन्न

सरधना-मेरठ (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरिजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजीम. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. की शुभाज्ञा एवं शुभाशीर्वाद से हस्तिनापुर तीर्थ के निकट सरधना शहर के श्री सुमतिनाथ जिनालय में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिराजश्री संयमरत्नविजयजी म. सा. की 38 वीं व 39 वीं श्री वर्द्धमान तप की ओली एवं मुनिश्री भुवनरत्नविजयजी म. सा. के चतुर्थ वर्षीतप तथा नगर में सामूहिक रूप से आयोजित दसविध यतिधर्म तप, श्री सिद्धचक्र नवपद ओली आदि विभिन्न तपश्चर्या के अनुमोदनार्थ श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ, सरधना (मेरठ) द्वारा त्रिदिवसीय जिनेन्द्र भक्ति महोत्सव विभिन्न कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया गया।

महोत्सव के प्रथम दिन दिनांक 19-10-2019 को संगीतकार द्वारा श्री सिद्धचक्र महापूजन पढ़ाया गया। दूसरे दिन दिनांक 20-10 -2019 को अठारह अभिषेक कार्यक्रम किया गया जिसमें सभी ने उत्साह से भाग लिया। महोत्सव के अन्तिम दिन दिनांक 21-10-2019 को दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी गुरुपद महापूजन पढ़ाई गई। सभी कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं ने उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया।

पीताम्बर विजेता के जन्मोत्सव पर दीपोत्सव

बड़नगर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव की असीम अनुकम्पा एवं पट्टधरद्वय की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से त्रिस्तुतिक जैन संघ एवं अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद्, बड़नगर के सहयोग से तरुण परिषद् बड़नगर द्वारा लगातार तीसरे वर्ष प. पू. सुविशाल गच्छाधिपति, पीताम्बर-विजेता, व्याख्यान-वाचस्पति आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय यतीन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के जन्मोत्सव कार्तिक शुक्ला 2 के उपलक्ष्य में तरुण दीपोत्सव का भव्य आयोजन किया गया।

दीपावली पर्व की खुशियाँ सभी मनाते है और अपने घरों को दीपक आदि से सजाते हैं परन्तु दूसरों के घरों में भी पर्व की खुशियाँ हो इस भावना से तरुण परिषद् ने समाज के घरों से एकत्रित एक हजार आठ किलो आटे जिसके 5-5 किलो के पैकेट तैयार कर दिनांक 20-10-2019 को सेवा बस्तियों में वितरण किया गया।

इस अवसर पर अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन तरुण परिषद् के सदस्य एवं संघ एवं नवयुवक परिषद् के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

बेंगलुरु में महिला परिषद् का बहुमान

साध्वीजी की निश्रा में बहुमान करते

बेंगलुरु (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव के पट्टधरद्वय की आज्ञानुवर्तिनी पूज्या साध्वीश्री सूर्योदयाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-3 की पावन निश्रा में चातुर्मान्तर्गत दिनांक 21-10-2019 को श्री सीमन्धरस्वामी-राजेन्द्रसूरि संघ द्वारा अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद् शाखा बेंगलुरु का बहुमान किया गया।

साध्वीश्री सूर्योदयाश्रीजी म. सा. ने चातुर्मास में महिला परिषद् द्वारा चार महीने वैयावच्च आदि की सराहना करते हुए कहा कि हमारी ही नहीं अपितु तपस्वियों की वैयावच्च अथवा कहीं भी किसी कार्य जैसे शिविर, जाप आदि अनेक कार्यक्रमों में पूर्ण समर्पणता के साथ परिषद् के प्रत्येक सदस्य ने लगन के साथ कार्य किया जिसकी मुझे प्रसन्नता है और मैं उनके कार्यों की अनुमोदना करती हूँ। साथ ही गुरुदेव से प्रार्थना करती हूँ कि हमारा परिषद् परिवार जिनशासन प्रभावना के प्रत्येक कार्य में अपनी सेवाएँ प्रदान करने हेतु सदा तत्पर रहे।

नोट- 1. लोकप्रिय 'यतीन्द्र वाणी' पाक्षिक के ग्राहकों से निवेदन है कि आपका पता अगर बदल गया है तो अपना नवीन पता प्रधान कार्यालय पर भेजने की कृपा करावें, जिससे आपको अंक प्राप्त हो सके।

2. जिन ग्राहकों को नियमित यतीन्द्र वाणी नहीं मिल रहा हो वे भी प्रधान कार्यालय से पत्र व्यवहार करके या 09426285604 नम्बर पर सम्पर्क करके पते आदि में सुधार करवा लेवें जिससे आपको समय पर नियमित अंक प्राप्त होता रहे। -सम्पादक

पधारिये

॥ श्री वाली मण्डनश्री सम्भवनाथाय नमः ॥
॥ श्री गौतम गणधराय नमः॥ ॥ श्री सुधर्मास्वामिने नमः
॥ विश्वपूज्य प्रभु श्रीमद्विजय राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेनसूरीश्वर गुरुभ्यो नमः ॥
॥ कृपासिन्धु योगिराजश्री शान्तिविजय गुरुभ्यो नमः ॥

पधारिये

श्री वाली नगरे
श्री सम्भवनाथ-राजेन्द्रसूरि प्रतिष्ठा महोत्सवे
सकल श्रीसंघ
आमन्त्रण

✻ दिव्यकृपा ✻
पुण्य-सम्राट श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा.
कृपासिन्धु, योगिराजश्री शान्तिविजयजी म. सा.

✻ आशीर्वाद ✻
गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा.

शुभ प्रतिष्ठा
वि. सं. २०७६, मगसर कृष्णा-६
18-11-2019
सोमवार

शुभारम्भ
14-11-2019
गुरुवार

आचार्य भगवन्त का प्रवेश
16-11-2019
सोमवार

शुभनिश्रा

सूरिमन्त्र आराधक, श्री भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक
प. पू. आचार्यदेवेश
श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

✻ निमन्त्रक ✻
श्री जैन श्वेताम्बर संघ, वाली एवं
श्री सम्भवनाथ-राजेन्द्रसूरि
जैन प्रतिष्ठा महोत्सव समिति
मु. पो.- वाली तहसील- बागोड़ा,
जिला- जालोर (राज.)

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संचालित

श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं क्षेत्रीय सभी श्रीसंघों के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के सीधे समाचार प्राप्त करने एवं तीर्थ परिसर में आवासीय सुविधा हेतु अग्रिम बुकिंग आदि के लिए लिंक से जुड़िये

✻ रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक ✻
http://bhandavpur.com/registration-form/

bhandavpur
bhandavpur@gmail.com
+91-7340009222
www.bhandavpur.com
पेढ़ी +91-7340019702-3-4
BTveer

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी
हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डॉगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना-प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है।
चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजे।

✻ लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। ✻ सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th of every month.' Published 1st & 15th of every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री..
....
....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित